Total No. of Questions : 7]

SEAT No. :

P920

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 11
M. A. (Part-I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 1 : सामान्यस्तर
आधुनिक गद्य, उपन्यास कहानी, नाटक, निबन्ध और संस्मरण / रेखाचित्र
(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :– *i) गली आगे मुड़ती है – शिवप्रसाद सिंह.*
ii) कथा – परिदृश्य – सं. डॉ. सतीश केकरे, प्रो. कौशलेंद्र झा.
iii) कबिरा खड़ा बजार में – भीष्म साहनी
iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी – चुने हुए निबंध – सं. मुकुंद द्विवेदी
v) स्मृति बिंब – सं. चंद्रेश्वर कर्ण

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*
ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iii) विभाग 'अ' के दोनों प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से प्रश्न क्र. 7 अनिवार्य है ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) 'गली आगे मुड़ती है' युवा पीढ़ी के आक्रोश को विभिन्न रूपों में व्यक्त करनेवाला उपन्यास है ।' पक्ष–विपक्ष में चर्चा कीजिए ।

अथवा

रामानंद तिवारी –– संघर्षशील युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करनेवाला पात्र है । 'गली आगे मुड़ती है' उपन्यास के आधार पर रामानंद का चरित्र – चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 2) देश–विभाजन के दौर की कहानियाँ सामान्य मनुष्य की त्रासदी को व्यक्त करती हैं ।' कथा–परिदृश्य के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) 'गुंडा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता

ख) 'कितने पाकिस्तान' कहानी में देश–विभाजन की त्रासदी

ग) 'वापसी' कहानी के गजाधर बाबू

घ) 'पिता' कहानी के पिता का चरित्र–चित्रण ।

विभाग – 'ब'

प्रश्न 3) 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक कबीर को परिप्रेक्ष्य में रखकर उनके संघर्ष के मूल सामाजिक धरातल को स्थापित करने में सफल हुआ है ।' कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4) 'हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में उनके सहज सरल जीवन की गहरी छाप है ।' पठित निबंधों के आधार पर उक्त कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 5) 'संस्मरण के मूलाधार व्यक्तिनिष्ठता है' स्मृति बिंब के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

च) 'कबिरा खड़ा बजार में' चित्रित कबीर कालीन समाज

छ) 'अशोक के फूल' निबंध में साहित्यिक, सांस्कृतिक संदर्भ

ज) 'अजातशत्रु' – शिवपूजन सहाय

प्रश्न 7) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) 'अब तो मैं अपने आप तेरे घर आयी हूँ । पहले तो बापू ने ब्याहकर भेजा था । अब तो अपने आप आयी हूँ । और तू हाथ पकड़कर मुझे अंदर लाया है ।

अथवा

'महंतों के पास गोला–बारूद है, और मस्जिद वालों के पास तलवारें है, हाथी–घोड़े हैं, भाले–नेजे हैं । मेरे पास तो मेरा यह इकतारा है साहिब, मेरे रहते झगडा किस बात का ?'

ख) 'वसंत पंचमी के पहले अगर आम्रमंजरी दिख जाये तो उसे हथेली पर रगड़ लेना चाहिए; क्योंकि ऐसी हथेली साल-भर तक बिच्छू के जहर को आसानी से उतार देती है ।

अथवा

'एक मोटेराम खड्ड के उस प्रांत पर उगे हैं, आधे जमीन में, आधे अधर में; आधा हिस्सा ठूँठ, आधा जगर-मगर, सारे कुनबे के पाधा जान पड़ते हैं । एक अल्हड़ किशोर है, सदा हँसता-सा कवि जैसा लगता है । जी करता है इसे प्यार किया जाए ।'

ग) 'भरा हुआ मुँह, कांतियुक्त गौर वर्ण, चश्मे और माथे की रेखाओं की गंभीरता उनकी सरल हँसी के साथ घुल-मिलकर दिव्य रूप धारण करती थी । मैंने प्रणाम किया, उन्होंने हँसते हुए उत्तर में कहा ''कहिए, मौज ले रहे हैं ?''

अथवा

'दोनों स्त्रियाँ अपनी बातों में लीन, अपने में परितृप्त, अपने बाल-बच्चों में मगन बतियाये जा रहीं थी कि एकाएक लगा कि जैसे कोई फूटकर रो पड़ा ।'

■■■

Total No. of Questions : 7]

SEAT No. :

P921

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 12
M. A. (Part-I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 2 : विशेष स्तर
प्राचीन काव्य
(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :– *i) विद्यापति – सं. आनंदप्रकाश दीक्षित*

ii) पद्मावत – मलिक मुहम्मद जायसी – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) भ्रमरगीतसार : सूरदास – सं. डॉ. रामकिशोर शर्मा

iv) रीति काव्यधारा – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iii) विभाग 'अ' के दोनों प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iv) विभाग 'ब' में से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से प्रश्न क्र. 7 (ससंदर्भ व्याख्या) अनिवार्य है ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) 'विद्यापति ने नायिका का नखशिख वर्णन किया है ।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

विद्यापति की पदावली में संयोग श्रृंगार के सभी पक्षों का चित्रण हुआ है । सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'पद्मावत' के प्रमुख पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

जायसी की भाषा तथा अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 3) 'सूर के 'भ्रमरगीत' में विप्रलंभ श्रृंगार छाया हुआ है' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) बिहारी ने अपने दोहों में 'गागर में सागर' भर दिया है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) रीतिकालीन काव्य में घनानंद के काव्य का महत्व निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 6) निम्नलिखित टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) 'भ्रमरगीत' में योग बनाम भक्ति

ख) बिहारी की बहुज्ञता

ग) घनानंद की विरहानुभूति

प्रश्न 7) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) हमसों कहत कौन की बातें ?

सुनि ऊधो! हम समुझत नाहीं फिर पूछति हैं तातें ।।

को नृप भयो कंस किन मारयो को वसुधो–सुत आहि ।

यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु हैं मुख चाहि ।।

दिन प्रति जात सहज गोचारन गोप सखा लै संग ।

बासरगत रजनीमुख आवत करत नयन गति पंग ।।

को व्यापक पूरन अबिनासी, को बिधि–वेद–अपार ।

सूर बृथा बकवाद करत हौ या ब्रज नंदकुमार ।।

अथवा

ऊधो! भली करी तुम आए ।

ये बातें कहि कहि या दुख में ब्रज के लोग हँसाए ।।

कौन काज बृंदावन को सुख, दही घात की छाक ?

अब वै कान्ह कूबरी राचे बने एक ही ताक ।।

मोर मुकुट मुरली पीतांबर, पठवौ सौज हमारी ।

अपनी जटाजूट अरू मुद्रा लीजै भस्म अधारी ।।

वै तौ बड़े सखा तुम उनके तुमको सुगम अनीति ।

सूर सबै मति भली स्याम की जमुना जल सों प्रीति ।।

ख) रससिंगार–मंजनु किए, कंजनु भंजनु दैन ।

अंजनु रंजनु हूँ बिना, खंजनु गंजनु नैन ।।

अथवा

कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात ।

कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात ।।

ग) अंतर हौ किधौं अंत रहौ, दृग फारि फिरौं कि अभागिनी भीरौं ।

आगि जरौं अकि पानी परौं, अब कैसी करौं हिय का बिधि धीरौं ।

जौ घनआनँद ऐसी रूची, तौ कहा बस है अहो प्राननि पीरौं ।

पाऊँ कहाँ हरि हाय तुम्हैं, धरनी मैं धँसो कि अकासहिं चीरौं ।

अथवा

अंतर उदेग दाह, आँखिन प्रबाह आँसू,

देखी अटपटी चाह भीजनि दहनि है ।

सोयबो न जागिबो हो, हँसिबो न रोयबौ हू,

खोय खोय आप ही मैं चेटक लहनि है

जान प्यारे प्राननि बसत पै अनंदघन,

बिरह विषम दसा मूक लौं कहनि है ।

जीवन मरन जीव मीच बिना बन्यौ आय,

हाय कौन बिधि रची नेही की रहनि है ।।

■■■

Total No. of Questions : 9]

SEAT No. :

P922

[Total No. of Pages : 2

[4102] - 13

M. A. (Part-I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 60

सूचनाएँ :–

i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए शंकुक और भट्टनायक की व्याख्याओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में अलंकार का स्थान निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 3) वक्रोक्ती सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ती के प्रमुख भेदों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) क्षेमेंद्र का औचित्य विचार

ख) ध्वनि और स्फोट

ग) कुंलकपूर्व वक्रोक्ती विचार

घ) ध्वनि के भेद

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) आई. ए. रिचर्डस द्वारा प्रतिपादित मूल्यसिध्दांत की संकल्पना स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7) क्रोचे के अभिव्यंजनावाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए कला के साथ उसके संबंध को समझाइए ।

प्रश्न 8) आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

च) प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत

छ) काव्य में उदात्त का महत्व

ज) निर्वैयक्तिकता सिद्धांत

झ) प्रतीक और बिंब ।

■■■

Total No. of Questions : 9]

SEAT No. :

P923

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 14
M. A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर – वैकल्पिक पाठ्यक्रम
सूचना :– निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
अ) विशेष साहित्यकार – कबीर
(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तक :– कबीर ग्रंथावली
संपा. श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ :–
i) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।
ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्रमांक 9 अनिवार्य है ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) भक्ति आंदोलन की संकल्पना स्पष्ट करते हुए भक्ति आंदोलन में निर्गुण शाखा का स्थान निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 2) निर्गुण काव्यधारा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) 'कबीर का व्यक्तित्व कबीर के काव्य से उजागर होता है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) कबीर के आत्मा अथवा जीव संबंधी विचार

ख) कबीर कालीन परिस्थितियाँ

ग) कबीर की भक्ति भावना

घ) कबीर की जीवनी ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) कबीर के दार्शनिक विचारों पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए ।

प्रश्न 6) 'कबीर के काव्य का महत्व साहित्यिकता की अपेक्षा सामाजिकता के रूप में अधिक है ।' इस कथन की सत्यता पर विचार कीजिए ।

प्रश्न 7) कबीर की उल्टबासियों में कबीर के दार्शनिक विचार व्यक्त होते है; साथ ही उनका काव्य पर अधिकार भी सिद्ध होता है ।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 8) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

च) कबीर पर हठ योग का प्रभाव

छ) कबीर काव्य का सामाजिक पक्ष

ज) कबीर काव्य की प्रासंगिकता

झ) कबीर के राम ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) लागै बुँद बिनसि जाह छिन में, गरब कर क्या इतना ।

माटी खोदहि भीत उसारे, अंध कहै घर मेरा ।

आवै तलब बाँधि लै चालै बहुरि न करिहै फेरा

खोट कपट करि यहु धन जोखो, लै धरती मै गाडयौ ।

रोक्यो घटि साँस नहीं निकसे, ठौर ठौर सब छाडयौ

कहै कबीर नट नाटिक थाके, मदल कौन बजावे ।।

गये पषनियाँ उझरी बाजी, को काहु कै आवै ।।

ख) जिहि घरि भोजन बैठि खाऊँ ।

माता जूठी पिता पुनि जूठा, जूठे फल चित लागे ।

जूठा आँवन जूठा जाँणा, चेतहू क्यूँ न अभागे ।

अन्न जूठा पाँनी पूनि जूठा जूठे बैठि पकाया ।

जूठी कडछी अन्न परोस्या, जूठे जूठा खाया ।

चौका जूठा गोबर जूठा, जूठी का ढीकारा ।

कहै कबीर तेई जन जन सूचे, जे हरि भजि तजहि बिकारा ।

ग) मन दस नाज, टका दस गँठिया, टेढौ टेढौ जात ।

कहा लै आयो यहु धन कोऊ कहा कोऊ लै जात ।

दिवस चारि की है पतिसाही, जूँ बनि हरियल पात ।

राजा भयौ गाँव सौ पाये, टका लाख दस व्रात ।

रावन होत लंका को छत्रपति, पल मै गई बिहात ।

माता पिता लोक सुत बनिता, अंत न चले सँगात ।

कहै कबीर राम भजि बौरे, जनम अकात्य जात ।।

घ) यहु ठग ठगत सकल जग डोलै,

गवन करै तब मुबह न बोलै ।।

तु मेरो पुरिषा हौ तेरी नारी, तुम्ह चलतै पाथर थै भारी ।

बालपना के मीत हमारे, हमहि लाडि कत चले हो निनारे ।।

हम सूँ प्रीति न करि री बौरी, तुमसे केते लागे ढौरी ।

हम काहु सँगि गए न आये, तुम्ह से गढ हम बहुत बसावे ।।

माटी की देही पवन सरीरा, ता ठग सूँ जन डरै कबीरा ।।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक पाठ्यक्रम

आ) विशेष साहित्यकार – तुलसीदास

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :– *i) श्रीरामचरितमानस – गीता प्रेस गोरखपुर*

ii) विनय पत्रिका – वियोगी हरि

iii) कवितावली – डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।*

ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. 9 अनिवार्य है ।

v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) तुलसीदास के जीवन और ग्रंथों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2) गोस्वामी तुलसीदास की दार्शनिक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) रामचरितमानस के आधार पर तुलसी की समन्वय भावना को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) विनयपत्रिका का प्रतिपाद्य

ख) तुलसी का मर्यादावाद

ग) तुलसी के राम

घ) तुलसी की भक्ति पद्धति ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) रामचरितमानस के आधार पर तुलसी की सामाजिक विचारधारा को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) तुलसी काव्य की प्रासंगिकता स्वतःसिद्ध हैं । स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7) गीतिकाव्य परंपरा में विनयपत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 8) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) रामचरितमानस में मर्यादावाद

छ) तुलसी के नीति विषयक विचार

ज) तुलसी के दार्शनिक विचार

झ) कवितावली की विशेषताएँ ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) राजीव लोचन स्त्रवत जल तन ललित पुलकावलि बनी ।
अति प्रेम हृदयँ लगाह अनुजहि मिले प्रभु त्रिभुवन धनी ।
प्रभु मिलत अनुजहि सोह मो पहिं जाति नहिं उपमा कही ।
जनु प्रेम अरू सिंगार तनु धरि मिले बर सुषमा लहि ।

ख) नभ दुंदुभी बाजहिं बिपुल गंधर्ब किंनर गावहीं ।
नाचहिं अपछरा बृंद परमानंद सुर मुनि पावहीं ।
भरतादि अनुज बिभिषनांगद हनुमदादि समेत ते ।
गहे छत्र चामर ब्यजन धनु असि चर्म सक्ति बिराजते ।

ग) जोपै जानकिनाथ सों नातो नेह न नीच ।
स्वारथ परमारथ कहा कलि कुटिल बिगोयो बीच ।।
धरम बरन आस्त्रमनि के पेयत पोथिही पुरान ।
करतब बिनु बेष देखिये ज्यो सरीर बिनु प्रान ।।
बेद बिदित साधन सबै सुनियत दायक फल चारि।
राम प्रेम बिनु जानिवो जैसे सर सरिता बिनु बारि ।।

घ) वर दंत की पंगति कुंदकली, अधराधर पल्लव खोलन की ।
चपला चमकै घन बीच, जगै छबि मोतिन माल अमोलन की ।
घुंघरारी लटै लटकै मुख उपर, कुंडल लोल कपोलन की ।
निवछावरि प्रान करै तुलसी, बलि जाउँ लला इन बोलन की ।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

इ) विशेष साहित्यकार – नाटककार : जयशंकर प्रसाद

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :– *i) करूणालय*
ii) कामना
iii) स्कंदगुप्त
iv) चंद्रगुप्त
v) ध्रुवस्वामिनी

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।*
ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. 9 अनिवार्य है ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) गीतिनाट्य की समीचीन परिभाषा देकर 'करूणालय का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'कामना' की चरित्र–सृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) 'स्कंदगुप्त' की राष्ट्रीय चेतना और प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) प्रसाद के नाटको में काव्यात्मकता

ख) 'करूणालय' के महाराज हरिश्चंद्र

ग) 'कामना' के नारी पात्र

घ) 'स्कंदगुप्त' में तद्युगीन वातावरण

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) सांस्कृतिक गरिमा और उदात्त मूल्यों के चित्रण की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 6) 'चंद्रगुप्त' नाटक के चंद्रगुप्त के चरित्रांकन पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 7) 'ध्रुवस्वामिनी' यथार्थवादी शैली का सफल ऐतिहासिक नाटक है – स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 8) 'चंद्रगुप्त' के चाणक्य की विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) 'तुम्हारी धर्मांधता से प्रेरित राजनीति आँधी की तरह चलेगी, उसमें नंद–वंश समूल उखड़ेगा । नियति–सुंदरी के भावों में बल पड़ने लगा है । समय आ गया है कि शूद्र राजसिंहासन से हटाये जायँ और सच्चे क्षत्रिय मूर्धाभिषिक्त हों ।'

अथवा

'ढोंग है! रक्त और प्रतिशोध, क्रूरता और मृत्यु का खेल देखते ही जीवन बीता; अब क्या मैं इस सरल पथ पर चल सकूँगा ? यह ब्राम्हण आँख मूँदने–खोलने का अभिनय भले ही करे, पर मै! असंभव है ।'

ख) 'मेरे शून्य भाग्यकाश के मंदिर का द्वार खोलकर तुम्हीं ने उनींदी उषा के सदृश्य झाँका था, और मेरे भिखारी संसार पर स्वर्ण बिखेर दिया था । तुम्हीं मालिनी ! तुमने सोने के लिए नंदन का अम्लान कुसुम बेंच डाला । जाओ मालिनी! राज–कोष से अपना धन ले लो ।'

अथवा

'परंतु क्षमा हो सम्राट् ! उस समय आप विजया का स्वप्न देखते थे, अब प्रतिदान लेकर मैं उस महत्व को कलंकित न करूँगी । मैं आजीवन दासी बनी रहूँगी; परंतु आप के प्राप्य में भाग न लूँगी ।'

■■■

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

ई) विशेष साहित्यकार: कवि नरेश मेहता

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :– *i) बनपारवी सुनो*
ii) संशय की एक रात
iii) बोलने दो चीड़ को
iv) महाप्रस्थान

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।*
ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न क्र. 9 अनिवार्य है ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) 'नरेश मेहता प्रयोगशील वृत्ति के ऐसे नए कवि हैं, जिन्होंने शब्दों को नया रूप और संस्कार दिया है ।' – विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'बनपारवी सुनो' कविता संग्रह में कवि नरेश मेहता का प्रकृति के प्रति विशेष आकर्षण अभिव्यक्त हुआ है ।' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) 'संशय की एक रात' की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) नरेश मेहता के काव्य का शिल्प

ख) लक्ष्मण का लघुमानवत्व

ग) 'संशय की एक रात' : एक मिथक काव्य

घ) 'बनपारवी सुनो' की कविताओं प्रकृति–चित्रण ।

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) ''प्रकृति के प्रति नरेश मेहता की दृष्टि उस विराट बोध पर आधारित है, जिसके अंतर्गत सारा ब्रह्मांड एक परमसत्ता की अभिव्यक्ति है ।'' – 'बोलने दो चीड़ को' संग्रह की कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) 'बोलने दो चीड़ को काव्य–संग्रह की कविताओं की बिंब–विधान पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 7) ''महाप्रस्थान' में कवि ने युधिष्ठिर को मानव – मुक्ति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है ।' –विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 8) ''महाप्रस्थान' का कथानक यद्यपि गौण है, परंतु कवि ने पात्रों के मनोविश्लेषण को अधिक महत्व दिया है ।' – स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) मैंने इस संध्या को उत्सर्ग कर दिया है

नदियों में बह जाने दिया

लेकिन लहरें तक उदास हो गयीं ।

पीली नदी

उदास लहरें –

मुझे एक संध्या के लिए उत्सव चाहिए ।

अथवा

यहाँ वहाँ लोग ही लोग हैं

मैं कहाँ हूँ ?

तुम्हारे पैरों के नीचे

मेरा नाम कहीं दब गया है

उठा लेने दो –

मेरे लिए वह मूल्य है ।

ख) इतना अपमान

व्यक्ति को वस्तु बनाया ?

पण्य हो गयी

प्रियापदी कृष्णा

इस भरी सभा में ?

नहीं –

नहीं, अब कौरव – वंश नहीं रह सकता ।

अथवा

आज, नहीं तो कल

राजा से अधिक कठोर हो जाएँगे

ये राज्य

और सुदूर भविष्य में

राज्य से भी अधिक अमानवीय हो जाएँगी

ये राज्य – व्यवस्थाएँ ।

■■■

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

उ) विशेष विधा : हिंदी उपन्यास

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :–

i) गोदान : प्रेमचंद

ii) मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

iii) अपने–अपने अजनबी: अज्ञेय

iv) त्यागपत्र: जैनेंद्र कुमार

v) अलग–अलग वैतरणी: शिवप्रसाद सिंह

vi) अनित्य: मृदुला गर्ग

vii) आवाँ : चित्रा मुद्गल

viii) कितने पाकिस्तान: कमलेश्वर

सूचनाएँ :–

i) सभी प्रश्नों के समान अंक है ।

ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) उपन्यास के तत्त्वों को स्पष्ट करते हुए उपन्यास और नाटक की तुलना कीजिए ।

प्रश्न 2) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास साहित्य का विकास लिखिए ।

प्रश्न 3) हिंदी के सामाजिक और ऐतिहासिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

क) 'गोदान' का उद्देश्य

ख) 'मैला आँचल' का चरित्र

ग) अपने-अपने अजनबी का वातावरण

घ) 'त्यागपत्रः' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास ।

विभाग - 'ब'

प्रश्न 5) 'अलग-अलग वैतरणी' के कथ्य के आधार पर उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) '''अनित्य' में विगत पचास वर्षों के दौरान देश की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पतनशीलता का मार्मिक चित्रण हुआ है'' - चर्चा कीजिए ।

प्रश्न 7) चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'आवाँ' का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न 8) 'कितने पाकिस्तान' शीर्षक के आधार पर उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

च) 'अलग अलग वैतरणी' के चरित्र

छ) 'अनित्य' की शैली

ज) 'आवाँ' में पवार का चरित्र-चित्रण

झ) 'कितने पाकिस्तान' की शिल्पगत नूतनता ।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

ऊ) विशेष विधा : हिंदी नाटक और रंगमंच

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 60

पाठ्यपुस्तकें :–
- *i) भारत दुर्दशाः भारतेंदु हरिश्चंद्र*
- *ii) अजातशत्रुः जयशंकर प्रसाद*
- *iii) कोणार्कः जगदीशचंद्र माथुर*
- *iv) लहरों के राजहंसः मोहन राकेश*
- *v) एक कंठ विषपायीः दुष्यंत कुमार*
- *vi) राक्षसः शंकर शेष*

सूचनाएँ :–
- *i) सभी प्रश्नों के समान अंक है ।*
- *ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाकाव्य के साथ उसकी तुलना कीजिए ।

प्रश्न 2) 'भारत दुर्दशा' नाटक तद्युगीन भारत का सजीव चित्र प्रस्तुत करता हैं ।'– सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) उदात्त चरित्र–चित्रण की दृष्टि से 'अजातशत्रु' के संबंधित चरित्रों का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध

ख) भारत दुर्दशा नाटक का अंत

ग) 'अजातशत्रु' नाटक की मल्लिका

घ) 'कोणार्क' का विशु ।

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) भारतेंदुयुगीन महत्वपूर्ण नाटक और नाटककारों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 6) 'लहरों के राजहंस' नाटक के आधार पर मोहन राकेश की नाट्कला की विशेषताएँ बताइए ।

प्रश्न 7) आधुनिक भावबोध की व्यंजना के लिए मिथक के कलात्मक प्रयोग की दृष्टि से 'एक कंठ विषपायी' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 8) 'राक्षस' नाटक के कथा – संरचनागत विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) भारतेंदु पूर्व हिंदी नाटक

छ) 'लहरों के राजहंस' नाटक का विलोम

ज) 'एक कंठ विषपायी' शीर्षक की सार्थकता

झ) 'राक्षस' नाटक का कवि ।

■■■

Total No. of Questions : 9] **[Total No. of Pages : 2**

P923

[4102] - 14

M. A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर वैकल्पिक

ए) अन्यः प्रयोजनमूलक हिंदी

(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 60**

सूचनाएँ :–
- *i) सभी प्रश्नों के समान अंक है ।*
- *ii) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) हिंदी भाषा के विविध रूप का परिचय देते हुए संपर्क भाषा का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) कार्यालयी हिंदी के स्वरूप को प्रस्तुत करते हुए राजभाषा हिंदी पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) हिंदी पत्रकारिता के विकास का परिचय देते हुए भारतेंदुयुगीन हिंदी पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) इंटरनेट में हिंदी का प्रयोग

ख) वैज्ञानिक तथा तकनीकी अनुवाद

ग) जनसंचार माध्यम के भेद ।

घ) राजभाषा हिंदी ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) विशेष व्यावसायिक पत्र लेखन के प्रकारों का सामान्य परिचय दीजिए ।

प्रश्न 6) सरकारी पत्राचार का स्वरूप प्रस्तुत करते हुए कार्यालय आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए ।

प्रश्न 7) अनुवाद के क्षेत्र को स्पष्ट करते हुए आदर्श अनुवाद की विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न 8) वित्त एवं वाणिज्य की हिंदी से तात्पर्य एवं स्वरूप का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) मीडिया क्षेत्र में अनुवाद

छ) एजेंसी संबंधी पत्र

ज) संक्षेपण का स्वरूप और महत्व ।

झ) पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ ।

■■■

Total No. of Questions : 6]

SEAT No. :

P924

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 15
M. A. (Part-II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर
आधुनिक काव्य
(1985 Pattern) (Old Course)

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 80

पाठ्य-पुस्तकें :- *i) कामायनी : जयशंकर प्रसाद*
ii) मुक्ताभ : सुमित्रानंदन पंत
iii) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती
iv) आधुनिक काव्य मंजरी : संपा. रघुवर दयाल
v) प्रवाद पर्व : श्री नरेश मेहता

सूचनाएँ :- *i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।
iii) विभाग 'अ' के दोनों प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न अनिवार्य है ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग - 'अ'

प्रश्न 1) 'कामायनी में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है'- चर्चा कीजिए ।

अथवा

'कामायनी छायावादी काव्यधारा की सर्वश्रेष्ठ रचना है' - स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) पंतजी की कविता के भावजगत की विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

पंतजी की सौंदर्य-चेतना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 3) अंधा युग के पात्रों की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'अंधा युग के संवादों में काव्यत्व एवं नाटकीयता का समन्वय है' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) अज्ञेय की कविता के भावपक्ष का विवेचन कीजिए ।

अथवा

नई कविता की कलागत विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 5) प्रवाद–पर्व के आधार पर राम का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा

प्रवाद–पर्व की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) मैं ही अपराधी हूँ
यह एक अश्वारोही कौरव–सेना का
मेरे अग्निबाणों से
झुलस गए थे घुटने इसके
नष्ट किया है खुद मैंने
जिसका जीवन
वह कैसे अब
मेरी ही करूणा स्वीकार करे ।

अथवा

और विजय क्या है ?
एक लंबा और धीमा
और तिल–तिल कर फलीभूत
होने वाला आत्मघात
और पथ कोई भी शेष
नहीं अब मेरे आगे !

ख) दुर्गम बर्फानी घाटी में
शत सहस्र फुट ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल–
के पीछे धावित हो हो कर
तरल तरूण कस्तुरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है,
बादल को घिरते देखा है ।

अथवा

सच, सच बताने से कोई समझता नहीं
जब तक कि उसमें कहीं थोड़ी मिलावट न हो
बचपन के साथी उस मिलावट के अनुसार
संवाद करते हैं ।

ग) तर्जनी
वह किसी की भी हो
वाणी ही होती है ।
यह कोई आवश्यक नहीं कि
शक्ति
केवल मंत्रों और श्लोकों में ही हो ।

अथवा

शंका का उत्तर
केवल निर्भयता ही हो सकती है
और व्यक्ति–
पद, मर्यादा, अधिकार
सब कुछ का त्याग कर ही
निर्भय हो सकता है ।

■■■

Total No. of Questions : 9]

SEAT No. :

P925

[Total No. of Pages : 2

[4102] - 16
M. A. (Part-II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर
भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
(1985 Pattern) (Old Course)

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–

i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) वाक्य की परिभाषा देकर वाक्य की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) स्वनिम की परिभाषा देकर स्वनिम की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) अर्थविज्ञान का स्वरूप समझाते हुए अर्थ परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) भाषा व्यवस्था और व्यवहार

ख) स्वनगुण

ग) तुलनात्मक भाषाविज्ञान

घ) संबंधतत्व के भेद ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देकर लौकिक संस्कृत पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6) हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण कर पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी की तुलना कीजिए ।

प्रश्न 7) हिंदी के शब्द निर्माण में उपसर्ग तथा समास का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।

प्रश्न 8) देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) विदेशी शब्दसमूह

छ) हिंदी में लिंग–कारक व्यवस्था

ज) अपभ्रंश भाषाएँ

झ) चटर्जी और हरदेव बाहरी का भाषा वर्गीकरण ।

■■■

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P926

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 17
M. A. (Part-II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 7 : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(1985 Pattern) (Old Course)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :– *i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक हैं ।

iii) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) आदिकाल के नामकरण संबंधी विभिन्न मतों को स्पष्ट कीजिए [16]

अथवा

आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों का सम्यक विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) ''भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है ।'' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । [16]

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) अमीर खुसरो

ख) जायसी

ग) रसखान

घ) घनानंद ।

विभाग – 'ब'

प्रश्न 3) हिंदी नाटक साहित्य के विकासक्रम में नाटककार जयशंकर प्रसाद के योगदान पर प्रकाश डालिए । [16]

अथवा

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य

छ) हिंदी के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान

ज) कहानीकार : प्रेमचंद

झ) निबंधकार : आ–रामचंद्र शुक्ल ।

प्रश्न 4) हिंदी की छायावादी काव्यधारा की प्रवृत्तियों को लिखते हुए, कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य का परिचय दीजिए । **[16]**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिपणियाँ लिखिए :

ट) प्रकृति सौंदर्य के कवि : पंत

ठ) साकेत

ड) प्रयोगवाद के प्रेरणास्रोत

ढ) नयी कविता की विशेषताएँ ।

प्रश्न 5) अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए : **[10]**

त) द्विवेदीयुगीन गद्य–साहित्य की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

थ) स्वातंत्र्योत्तर काल के एक व्यंग्य–निबंधकार का परिचय दीजिए ।

द) द्विवेदी–युगीन आलोचना की दो विशेषताएँ लिखिए ।

ध) प्रगतिवादी कविता की दो विशेषताएँ लिखिए ।

न) नरेश मेहता के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए ।

प) राष्ट्रकवि 'दिनकर' के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए ।

आ) निम्नलिखित में से छह प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में लिखिए : **[6]**

य) 'अंधायुग' के नाटककार का नाम लिखिए ।

र) 'दिव्या' उपन्यास के रचनाकार का नाम बताइए ।

ल) महावीर प्रसाद द्विवेदी किस पत्रिका के संपादक थे ?

व) मन्नू भंड़ारी के किसी एक कहानी–संग्रह का नाम लिखिए ।

श) 'रश्मिरथी' के कवि का नाम लिखिए ।

ष) प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि का नाम लिखिए ।

स) 'निराला' किस कवि का उपनाम है ?

ह) 'कामायनी' के तीन प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए ।

■■■

Total No. of Questions : 9]

SEAT No. :

P927

[Total No. of Pages : 3

[4102] - 18

M. A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

महत्वपूर्ण सूचना :– निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए ।

(क) आधुनिक हिंदी आलोचना

(1985 Pattern) (Old)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–
i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कर उसके उद्देश्यों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकारों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) श्रेष्ठ आलोचक के प्रमुख गुणों पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) आलोचना की आवश्यकता

ख) आलोचना और साहित्य

ग) आलोचना और अनुसंधान

घ) शुक्लोत्तर आलोचना

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) राम विलास शर्मा की आलोचना पद्धति की विशेषताएँ बताइए ।

प्रश्न 6) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 7) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की रसविषयक धारणाओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 8) डॉ. नामवरसिंह की आलोचना पद्धति का स्वरूप विषद करते हुए विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

च) रसवादी आलोचक नगेंद्र

छ) हिंदी आलोचना में आचार्य शुक्ल का स्थान ।

ज) आलोचक की आस्था

झ) प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ ।

■■■

Total No. of Questions : 9 [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18
M. A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर
(ख) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र
(पुराना पाठ्यक्रम) (1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :–
- *i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।*
- *iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) शैली का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके अध्ययन क्षेत्र पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) विभिन्न परिभाषाओं के आधार पर शैली और रीति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए शैली बनाये रीति पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्रश्न 3) शैलीविज्ञान से सौंदर्यशास्त्र तथा समाजशास्त्र का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) शैली के उपकरण

ख) शैलीविज्ञान का इतिहास

ग) पाश्चात्य काव्यशास्त्र में शैलीविज्ञान के तत्व ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) सौंदर्यशास्त्र का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सौंदर्य की कलावादी दृष्टि स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) सौंदर्यशास्त्र का कला, विज्ञान और शैलीविज्ञान से संबंध स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7) पाश्चात्य सौंदर्य चिंतन की प्रमुख प्रवृत्तियों का निरूपन कीजिए ।

प्रश्न 8) किन्हीं दो भारतीय आचार्यों की सौंदर्य संबंधी अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) सौंदर्यानुभूति और आनंदानुभूति

छ) काण्ट की सौंदर्य विषयक दृष्टि

ज) सौंदर्यशास्त्र और समाजशास्त्र ।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18
M. A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर
(ग) अनुवाद विज्ञान
(1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :–
- *i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।*
- *iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iv) विभाग 'ब' में से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिनमें से प्रश्न क्र. 9 अनिवार्य है ।*
- *v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) अनुवाद की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) अनुवाद की योग्यता ।

ख) अनुवाद और वाक्य विज्ञान

ग) अनुवाद का महत्व ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) अनुवाद में लिप्यंतरण की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए इसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद के स्वरूप एवं समस्याएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7) अनुवाद और भाषा विज्ञान के संबंध का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 8) कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता समझाइए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) रचनात्मक साहित्य का अनुवाद ।

छ) अनुवाद का मौखिक स्वरूप ।

ज) अनुवाद की समीक्षा ।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18

M. A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर

(घ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

(पुराना पाठ्यक्रम) (1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–
i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) जनसंचार माध्यमों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) सूचना समाज की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) भाषा की रचनात्मक क्षमता का विवेचन करते हुए सूचना शैली एवं सूचना संप्रेषण का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) भारतीय जनसंचार का इतिहास

ख) जनसंचार माध्यम और कृषि केंद्रित कार्यक्रम ।

ग) जनसंचार माध्यमों में संगीत की भाषा ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) जनसंचार माध्यमों में अनुवाद प्रक्रिया का स्वरूप स्पष्ट करते हुए केबल नेटवर्क की हिंदी पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 6) जनसंचार माध्यमों में हिंदी कार्यान्वयन हेतु आवश्यक योग्यताओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 7) दूरदर्शन पत्रकारिता का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए ।

प्रश्न 8) हिंदी में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) संगणक,

छ) वैश्विकीकरण की प्रक्रिया का स्वरूप,

ज) इंटरनेट की पत्रकारिता

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18

M. A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर

(च) अभिजात भारतीय साहित्य

(पुराना पाठ्यक्रम) (1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–
i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) अभिजात भारतीय साहित्य की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) भारतीय साहित्य में व्यक्त भारत के प्रतिबिंब का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) पठित किसी एक रचना में व्यक्त सामाजिकता भारतीयता को किस प्रकार उजागर करती है ?

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) हयवदन की मंचीयता

ख) हिंदी साहित्य में भारतीय जीवन मूल्य

ग) समाजशास्त्रीय दृष्टि से भारतीयता

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) 'अभिजात साहित्य' के परिप्रेक्ष्य में '1084 वें की माँ' इस उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 6) अनूदित साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए 'रसीदी टिकट' का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न 7) मलियालम के प्रतिनिधि नाटक में व्यक्त प्रादेशिकता को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 8) पठित साहित्यिक कृतियों में व्यक्त भारतीयता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) '1084 वें की माँ' शीर्षक की सार्थकता

छ) 'रसीदी टिकट' में आम भारतीय नारी

ज) 'मलियालम के प्रतिनिधि नाटक' व्यक्त भारतीय मूल्य

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18

M. A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर

(छ) लोकसाहित्य

(पुराना पाठ्यक्रम) (1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–
- *i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।*
- *iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*
- *v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।*

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ देकर 'लोकवार्ता' और 'लोकसाहित्य' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) लोकवार्ता विश्लेषण के आधार और पद्धतियों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) लोकसाहित्य के संकलन की आवश्यकता को प्रतिपादित करते हुए उसमें आने वाले बाधक तत्त्वों को समझाइए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) लोकसाहित्य का विविधांगी महत्व

ख) भाषाविज्ञान और लोकसाहित्य का संबंध

ग) लोकगीत वर्गीकरण की पद्धतियाँ ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) लोकगाथा की परिभाषाओं का विवेचन करते हुए किसी एक लोकगाथा का सामान्य परिचय दीजिए ।

प्रश्न 6) लोकनाट्य की परिभाषाएँ देते हुए उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7) लोकसाहित्य के कलापक्ष का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 8) 'संगीत लोकगीतों की आत्मा हैं ।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) लोकगाथा का उत्पत्तिविषयक सिद्धांत

छ) लोकसाहित्य का राष्ट्रीय महत्व

ज) महाराष्ट्र के लोकसाहित्य में सामाजिक जीवन ।

■■■

Total No. of Questions : 9] [Total No. of Pages : 2

P927

[4102] - 18

M. A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर

(ज) पत्रकारिता प्रशिक्षण

(पुराना पाठ्यक्रम) (1985 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :–
i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
ii) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है ।
iii) विभाग 'अ' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
iv) विभाग 'ब' में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
v) दोनों विभागों के उत्तर एक ही उत्तर–पुस्तिका में लिखिए ।

विभाग – 'अ'

प्रश्न 1) हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) समाचार संकलन तथा लेखन के आयामों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) विश्व पत्रकारिता का उदय;

ख) समाचार के विभिन्न स्त्रोत;

ग) पत्रकारिता का स्वरूप ।

P.T.O.

विभाग – 'ब'

प्रश्न 5) ''तकनीकी साधनों का इलेक्ट्रॉनिक मिडिया में महत्वपूर्ण स्थान हैं ।'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6) पत्रकारिता के प्रबंधन पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 7) प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 8) ''पत्रकारिता प्रजातांत्रिक प्रणाली का चतुर्थ स्तंभ हैं ।'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

च) लोकसंपर्क तथा विज्ञापन;

छ) मुक्तप्रेस की अवधारणा;

ज) प्रसार भारती और सूचना प्रौद्योगिकी ।

■■■